पश्चिम बंगाल के लघु उद्योगों को कम ब्याज की दरों पर ऋण दिया जाना

5982. **श्री मोहम्मद हयात अली :** क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या पश्चिम बंगाल के कुछ लघु उद्योगों को इस वर्ष कम ब्याज की दर पर ऋण देने का कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है ;

(ख) यदि हां, तो इस बारे में सरकार द्वारा कब तक अन्तिम निर्णय किया जायेगा और कितनी धनराशि ऋण के रूप में दी जायेगी और उस पर ब्याज की दर कितनी होगी ;

(ग) क्या ब्याज की वर्तमान दर में कमी करने का भी सरकार का विचार है ; और

(घ) उन संस्थाओं के नाम क्या है जो इस प्रकार के ऋण देंगी ?

वित्त मंत्री (श्री एच० एम० पटेल) : (क) और (ख) यद्यपि किसी विशेष राज्य केन्द्र शासित प्रदेश में छोटे पैमाने के उद्योगों को कम ब्याज दर पर ऋण प्रदान करने की कोई योजना सरकार के विचाराधीन नहीं है, किन्तु औद्योगिक विकास मंत्रालय ने, हाल ही में, राज्य सरकारों को वित्तीय सहायता देने की एक योजना बनायी है ताकि वे ऐसे छोटे एककों की कुल निवेश के 10 प्रतिशत तक की "मार्जिन" पूंजी सुलभ करा सकें जिनका संयंत्र और मशीनों में पूंजी निवेश एक लाख रुपए से अधिक नहीं है।

(ग) और (घ) छोटे पैमाने के उद्योगों के क्षेत्र में पूंजी निवेश को प्रोत्साहित करने के लिये, हाल ही में, बैंकों से कहा गया है कि वे ऋण गारंटी योजना के अधीन व्याप्त छोटे पैमाने के उद्योगों और निर्धारित पिछड़े जिलों/इलाकों के छोटे एककों को, तीन वर्ष के न्यूनतम परिपक्वता की अवधि वाले सावधिक ऋणों पर 11 प्रतिशत से अधिक दर पर ब्याज न वसूल करें।

छोटे पैमाने के उद्योगों को सावधिक ऋणों के मामले में बैंकों को, भारतीय औद्योगिक विकास बैंक (आई०डी०बी०आई०) से पुनर्वित्त प्राप्त करने की सुविधा सुलभ होता है, और जब इस पुनर्वित्त सुविधा का लाभ लिया जाता है तो बैंक, इस प्रकार के ऋणों पर 11 प्रतिशत की दर से ब्याज वसूल करते है और निर्धारित इलाकों में अवस्थित यूनिटों के मामले में तो ब्याज की दरें 9 1/2 प्रतिशत ही होती है :

हाल ही में भारतीय रिजर्व बैंक ने वाणिज्यिक बैंकों के ऋणों पर ब्याज की दर में सामान्य घटोतरी की घोषणा की है। घटी हुई ब्याज दरों का लाभ छोटे पैमाने के उद्योगों को सुलभ होगा।

Help to Tribals by Panchayati Rural Bank, Jeypore, Koraput, Orissa

5983. SHRI GIRIDHAR GOMANGO: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether the Panchavati Rural Bank, Jeypore, Koraput Orissa has opened its branches so far;

(b) how far the branches played the role to help the tribals and weaker sections of the society so far; and

(c) proposals to open the branches in this district to cover the rest of the uncovered population by this bank?

THE MINISTER OF FINANCE (SHRI H. M PATEL). (a) to (c). The Koraput-Panchabati Gramya Bank, Jeypore (Orissa) which was set up on November 13, 1976 has already opened 31 branches as on January 1978 This bank, which is serving the predominantly tribal district of Koraput, has advanced an amount of Rs. 61.52 lakhs in 16187 Accounts to small/marginal